हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, रविवार 30 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पार्थवी जंघेला को मिली डॉक्टर की उपाधि

मंडला। जिले के छोटे से ग्राम कोसमघाट की मूल निवासी कु. पार्थवी जंघेला पौत्री स्व श्री गोपी लाल दूजा देवी जंघेला पिता श्री सी आर जंघेला जोकि नेहरू युवा केन्द्र में लंबे समय तक कार्यरत थे अभी वर्तमान में बालाघाट में है तथा माता श्रीमती सुनीता जंघेला जोकि पूर्व बाल कल्याण समिति मंडला की सदस्या,वीरांगना रानी अवंती बाई संघर्ष समिति मंडला की प्रावक्ता व समाजसेविका हैं इनकी पुत्री को कल दिनांक 28 जून 2024 को दीक्षांत समारोह में मानसरोवर आयुर्वेदिक ग्लोबल महाविद्यालय भोपाल में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के द्वारा आयुर्वेद चिकित्सक की डिग्री दी गई इस अवसर पर कोलार विधानसभा के विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ,मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा व आयुष मंत्री ,मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री गौरव तिवारी व अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था आज के दौर में जब बच्चे अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करते हैं और उसके पश्चात वैदिक सनातन धर्म ग्रंथ वेद पर आधारित आयुर्वेद शिक्षा संस्कृत सनातन भाषा के माध्यम से करते हैं तो बहुत कठिन होती है लेकिन इसके बावजूद भी आयुर्वेदिक शिक्षा प्राप्त करना कितना कठिन होता है फिर भी लगन से पढ़ाई करते हुए संस्कृत भाषा के माध्यम से आयुर्वेद चिकित्सक शिक्षा कु. पार्थवी जंघेला के द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि पर परिवार के सभी परिजन ,मित्रजन जिनमे प्रमुख रूप से एडवोकेट संजय चौरसिया,कन्हैया ठाकुर,महेश ठाकुर,पंकज चौरसिया,एडवोकेट सुनील जंघेला,एडवोकेट आकाश दीक्षित,श्री कपिल वर्मा,श्री प्रकाश मरावी सरपंच,श्री चंद्रशेखर धुर्वे सरपंच, संतोष जांघेला,अनुराग राय सहित अनेकों युवाओं ने शुभकामनाएं दी हैं कु. पार्थवी जंघेला शुरू से ही मेधावी रही हैं इनका प्रारंभिक अध्ययन केंद्रीय विद्यालय मंडला व ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल बालाघाट से हुआ है

गुणवत्ताहीन निर्माण कर बच्चों के भविष्य से खेल रहा ठेकेदार

सीएम राइज स्कूल निर्माण पर लापरवाही

*** नाले की मिट्टी से कर रहे फीलिंग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

सीएम राइज योजना की शुरुआत मध्य प्रदेश सरकार द्वारा की गई है। इस योजना के तहत स्कूली शिक्षा में नवीन संशोधन का समावेश, आधुनिककरण, बच्चों का सर्वांगीण विकास, स्कूलों की संरचना में व्यापक सुधार, बच्चों की शिक्षा एवं अन्य गतिविधियों में जागरूकता बढ़ाना आदि है। सीएम राइज योजना के जरिए सरकारी स्कूलों केंद्रीय विद्यालय की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। यहां के विद्यार्थी प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थियों की बराबरी करते नजर आएंगे। इन स्कूलों में हिन्दी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों से पढ़ाई होगी। इनमें 3 से 5 किमी क्षेत्र के दायरे में आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

सी एम राइस योजना जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है मध्य प्रदेश सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है जिसके अंतर्गत किए जाने वाले स्कूलों के निर्माण में पूरी तरह से गुणवत्ता का ध्यान रखा जाता है यह सारे स्कूल केंद्रीय विद्यालय की तर्ज पर बनाए जाते हैं इन स्कूलों का निर्माण करोड़ों में होता है पूरे प्रदेश में इस समय यह योजना लागू है मंडला जिले में भी इस समय सी एम राइस का कार्य जोरों पर चल रहा है बच्चों की शिक्षा व्यवस्था उच्च स्तरीय हो इसकी व्यवस्था करने के लिए यादव सरकार पूरी तरह तत्पर है पर सरकार के इसी अति महत्वाकांक्षी योजना पर ठेकेदार पतीला लगाने पर तुले हुए हैं सारी टेंडर प्रक्रिया होने के बाद यह निर्माण कार्य ठेकेदार को दिया जाता है जिस पर गुणवत्ता का ध्यान रखना ठेकेदार की पूरी जिम्मेदारी होती है साथ ही समय-समय पर इसकी मॉनीटरिंग भी अति आवश्यक है नहीं तो ठेकेदार अपनी मनमर्जी से काम करने पर उतारू हो जाते हैं ।

ऐसा ही एक मामला हमारे ग्राम फूल सागर से बकौरी के बीच स्थित सीएम राइस स्कूल सागर का है जो कि करोडो की लागत से बनाया जा रहा है यहां पर ठेकेदार एवं अन्य कर्मचारियों की मनमानी के चलते सीएम राइज स्कूल की गुणवत्ता को पूरी तरीके से मटिया पलीद कर दिया गया है यहां पर निर्माणाधीन भवन में नाले के मलबे को निकालकर फीलिंग की जा रही है अब इस तरह की फीलिंग करने के बाद कितने दिन तक यह फर्श चलेगी या बेस कितना मजबूत होगा इसका स्वयं ही अंदाजा लगाया जाता है जा सकता है इस संदर्भ पर जब ग्रामीण आवाज उठाते हैं तो ठेकेदार के गुर्गे लड़ाई झगड़े पर उतारू हो जाते हैं स्थिति यहां तक बन जाती है कि हथियार डंडे वाले भी निकाल दिए जाते हैं यही घटनाक्रम कल सीएम राइज स्कूल सागर में देखने मिला। ग्रामीणों से जब इस संबंध में बात की गई तो सरपंच का कहना था कि हमारे यहां नाले में से मालवा निकाल कर निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल में फीलिंग की जा रही है जिससे सीएम राइस की गुणवत्ता में सवाल उठता है यह निर्माण इतना घटिया स्तर से किया जा रहा है की आने वाले समय में इस स्कूल में कभी भी टूट हो सकती है। इसी संबंध में निवासी कृष्णा चौकसे से जब बात की गई तो उनका कहना था की गुणवत्ता का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है आसपास से खुदाई कर मुर्रम मिट्टी निकाल कर फीलिंग की जा रही है जो कि नियम तह पूर्णता गलत है यहां पर जिला पंचायत प्रतिनिधि का भी निवास है उनसे जब फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने असमर्थता जाहिर करते हुए अपना बाहर होना कारण बताया इस संबंध में जब सांसद प्रतिनिधि ज्यादा से बातचीत की गई तो उनका कहना था कि यह पूर्णता गलत है आपके द्वारा हमें जानकारी दी गयी है आप पूरी गुणवत्ता की जांच करवाई जाएगी।

भारत स्काउट गाइड की आयोजित हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ मंडला की बैठक का आयोजन इंग्लिश मीडियम ज्ञानदीप स्कूल मंडला में रखी गयी, सहायक आयुक्त पदेन जिला कमिश्नर स्काउट डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ के निर्देशन में बैठक आयोजित की गई जिला मुख्य आयुक्त स्काउट संजय तिवारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी स्कूलों से दल के संचालन हेतु आ रही कठिनाइयों पर प्रकाश डाला, जिला अध्यक्ष स्काउट अजय खोत ने जिले के एजेंडा के अनुसार कार्यक्रमों को स्कूलों में किए जाने हेतु भरपूर सहयोग की बात कही, जिला कमिश्नर गाइड श्रीमती डॉ रश्मि वाजपेई ने समय-समय पर अपने द्वारा स्काउट गाइड को मार्गदर्शन देने की बात कही जिला कमिश्नर रेंजर श्रीमती सावित्री सांडया ने ग्रामीण अंचलों में आ रही परेशानियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया डॉ स्वल्पा बडगैया उपाध्यक्ष ने महर्षि स्कूल का हर संभव सहयोग देने की बात कही डॉ उपेंद्र शुक्ला प्राचार्य महर्षि विद्या मंदिर उपाध्यक्ष स्काउट ने 501 पौधे स्काउट गाइड की तरफ से लगवाने का संकल्प लिया। कल्पना नागेश्वर उपाध्यक्ष प्राचार्य रामनगर हाई स्कूल ने भी हर संभव स्काउट गाइड को सहयोग की बात कही जिला सचिव स्काउट गाइड दिनेश दुबे के संयोजन में यह पूरा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें निरंकारी भवन में ब्लड डोनेशन कार्यक्रम में भारत स्काउट गाइड सम्मिलित होकर ब्लड डोनेशन ब्लड डोनेट करने वाले सनातन सैनी सहायक जिला मीडिया प्रभारी एवं दिनेश दुबे ए एल टी एवं टी स्काउट के प्रति आभार व्यक्त किया, कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में डी ओ सी महेश प्रसाद सरोते क्रांति कुमार सोनवानी डी टी सी,डॉ कमलेश हरदहा, डॉ रवि हरदहा, लोक सिंह पदम, संजय सिंगौर, प्रेमलाल मार्को, प्रीति मसराम रजनी सिलेकर, सोनसिंह धुर्वे ने सहयोग प्रदान किया, साथ ही रिटायर्ड स्काउट मास्टर रवि शंकर कछवाहा, मदन कछवाहा, प्रभात ज्योतिषी का श्रीफल -साल द्वारा स्काउट गाइड में किए गए सेवा कार्य को सराहते हुए स्वागत वंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया प्रभारी दिलीप मरावी ने करते हुए सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

करोड़ों का घोटाला अब तक किसी पर एफआईआर नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/निवास

विकासखंड शिक्षा कार्यालय निवास में कूटरचित दस्तावेज व ऑन लाइन फर्जी अकॉउंट में शासकीय राशि ट्रांसफर कर गबन के मामले की जांच 1 मई 2024 से चल रही है, उक्त घोटाले की 07/05/2024 को जाँचकर्ता दल टीम के प्रमुख रोहित सिंह कौशल ने प्रथमदृष्टया 52 लाख 45 हजार की राशि स्पष्टतः गबन किये जाने की ऑन रिकॉर्ड पुष्टि की थी, साथ ही रिकॉर्ड की गंभीरता से जांच करने पर उक्त गबन की राशि बढ़ने की भी बात कही गई थी, जांच दल के अनुसार 07 मई को अस्सी प्रतिशत जाँच पूर्ण हो गई थी और जल्द ही नामजद आरोपियों पर एफआईआर दर्ज करने एसपी मण्डला को प्रतिवेदन देने की बात कही गई थी, ज्ञात हो कि उक्त गबन का खेल वर्ष 2018 से चल रहा है जिसमें तत्कालीन पूर्व दो खंड शिक्षा अधिकारी आनंद जैन व राम नारायण पटैल भी गबन के मामले में संलिप्त बताये गये हैं, लेकिन इनके कार्यकाल में कितनी राशि गबन की गई है यह जांच दल ने अभी तक स्पष्ट नहीं किया है वहीं मार्च माह में ही मृत शिक्षकों के नाम से अन्य फर्जी अकॉउंट में लाखों की राशि पदेन बीईओ शोभा अय्यर के समय हुई है जो इनके द्वारा दिये गये ऑफिसियल लॉग इन पासवर्ड के बिना संभव ही नहीं है अतः किये गये गबन में इनकी संलिप्तता स्पष्ट परिलक्षित हो रही है, पर दो महीने गुजरने को हैं आज दिनाँक तक कथित कंप्यूटर ऑपरेटर और न ही अन्य संबंधित कर्मचारियों वैधानिक कार्रवाई न किया जाना मामले को ले देकर दबाने जैसा प्रतीत हो रहा है या फिर गबन के आरोपियों को शुरक्षित बचाने के प्रयास में जाँच एजेंसी व प्रशासन ही लगा हुआ है।

बीईओ चेम्बर में बैठा मिला गबन का कथित आरोपी

गुरुवार 13/06/2024 को लगभग 3 बजे जब (दैनिक समाचार पत्र हरिभूमि) प्रतिनिधि बीईओ कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने देखा कि सत्रह शिक्षकों सहित स्वयं व अपनी पत्नी के अकॉउंट में कई लाखों की गबन राशि ट्रांसफर करने वाला अस्थाई कंप्यूटर ऑपरेटर बीईओ चेयर के सामने वाली कुर्सी में बैठकर लेखापाल (लिपिक) से किसी मसले पर गुफ़्तगू कर रहा था,और पदेन बीईओ अन्य कक्ष में कंप्यूटर में कुछ कार्य करवा रहीं थीं।

चेहरे से बेख़ौफ़ उक्त कंप्यूटर ऑपरेटर के भाव प्रदर्शित कर रहे थे कि अब सब कुछ सेटलमेंट हो गया है, और जब पूर्व में लगे आरोपों के बाद भी में यहाँ से हट नहीं पाया हूँ तो इस मामले में भी सफल कैसे नहीं हो पाऊंगा।

हैरत इस बात की होना लाज़मी है कि जब प्रशासन एक सामान्य नागरिक से राजस्व की बकाया राशि बसूलने नोटिस पर नोटिस देकर उसका चैन आराम हराम कर देता है तब शासकीय राशि का स्पष्टतः गबन कर बंदरबांट करने वाले आरोपी मामले के उजागर होने के दिन से ही बेखोफ घूम रहे हों और वो घोटाले में शामिल कथित संदिग्ध आरोपियों के साथ कार्यालय में बैठकर चाय पर चर्चा करे तब ऐसे मामले का न्यायहित में समयोचित निर्णय न मिलना (घुले सत्तू से चीनी निकलने) जैसे प्रतीत होता है, फिलहाल उक्त गबन के प्रकरण पर चल रही जांच का प्रतिफल किसके पक्ष और किसके विपक्ष में जायेगा यह आमजन के लिये प्रतीक्षित है।

नये कानूनों को लेकर एसपी ने ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

01 जुलाई से लागू होने वाले नवीन आपराधिक कानून 2023 को लेकर में पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थाना प्रभारी, अन्वेषण अधिकारियों एवं थानों में पदस्थ सभी रैंक के पुलिसकर्मियों से नवीन कानून के क्रियान्वयन व आमजन को जागरूक करने को लेकर पुलिस कंट्रोल रूम मण्डला में बैठक का आयोजन किया गया, इस दौरान जिले के समस्त थानो के पुलिसकर्मी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये शामिल हुए । ऑनलाईन एवं ऑफलाईन मोड में आयोजित कार्यक्रम में तीनों नये अधिनियमों के विभिन्न धाराओं, ई-रिकॉर्ड के प्रावधान जिसके अंतर्गत जीरो एफआइआर, ई- एफआइआर आदि विषयों पर चर्चा की गयी।थाना स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित कर आम जनता से जुड़कर नवीन कानून के संबंध में लगातार जागरूक किए जाने के संबंध में भी निर्देश तथा मार्गदर्शन दिया गया।

ज्ञानार्जन प्रोजेक्ट के तहत संचालित कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा संपन्न

मण्डला। जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट ज्ञानार्जन के तहत प्रदान की जाने वाली जेईई तथा नीट परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क प्रदाय की जाने वाली कोचिंग के लिए शनिवार को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई जिसमें जिले के विभिन्न अंचलों से कुल 350 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। परीक्षा के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, प्रभारी सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग क्षमा सराफ, बीईओ तथा प्राचार्य कल्पना नामदेव, क्षेत्र संयोजक रंजीत गुप्ता, बीआरसी अनादि वर्मा, प्राचार्य हाईस्कूल मुकेश पांडे, अखिलेश उपाध्याय, कन्हैया बरमैया सहित संबंधित उपस्थित रहे। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार जेईई के लिए आयोजित परीक्षा में 83 तथा नीट के लिए आयोजित परीक्षा में 267 विद्यार्थी शामिल हुए।

विदाई | **अदभुत मिले सम्मान के लिये सदा रहूगां ऋणी।**

स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक हुये सेवानिवृत

*** कुशल कार्यक्षमता और उत्कृष्ट योगदान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिला पंचायत के सामने स्थित स्टेट बैंक की आरएसीसी मुख्य शाखा में पदस्थ मुख्य प्रबंधक मुकेश सोनी के सेवानिवृत होने पर विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन बैंक परिसर में किया गया। यहां पर स्टेट बैंक के अधिकारी एंव कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। नवागत मुख्य प्रबंधक श्रीमति पल्लवी जैन ने इस अवसर पर कहा कि सेवानिवृत होने पर आयोजित इस सम्मान समारोह से हमे कई चीजे सीखने को मिलेगी। श्री सोनी की कार्यप्रणाली और कार्यकुशलता बैंक के लिये वरदान साबित हुई है उन्होनें बैंक हित में अनेक निर्णय लिये हैं जो उनकी कार्यकुशलता को बताता है इस अवसर पर मुकेश सोनी ने कहा कि बैंक की नौकरी काफी चुनौती पूर्ण होती है यहां पर हर समय जोखिम रहता है वहीं पद का लाभ लेने के लिये अनेक तरह से दवाब बनाने का प्रयास भी किया जाता है लेकिन रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के साथ वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदशन ही हमें सम्बल प्रदान करता है इस अवसर पर स्टेट बैंक के आरएन अर्जुन सिंह ने कहा कि उनकी कुशल कार्यक्षमता व उत्कृष्ट योगदान हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। ये सेवानिवृत्त जरूर हुई हैं पर सेवा के दायित्वों से नहीं। इनके मार्गदर्शन की हमें हमेशा अपेक्षा रहेगा। वहीं स्टेट बैंक के एजीयू खेमलाल सोनी ने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी कुशल कार्यक्षमता व उत्कृष्ट योगदान हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। ये सेवानिवृत्त जरूर हुये हैं पर सेवा के दायित्वों से नहीं। इनके मार्गदर्शन की हमें हमेशा अपेक्षा रहेगी। अपने कार्यकाल के दौरान बैंक को एक नई ऊंचाई दी है ग्राहकों के प्रति उनका लगाव समय पालन तथा अनुशासन के साथ-साथ बैंक व्यवस्था में इनके द्वारा किए गए सुधार को भुलाया नहीं जा सकता। वरिष्ठ पत्रकार शशिकांत मिश्रा ने कहा कि जो सरकारी सेवा में हैं तो उनका रिटायर होना स्वाभाविक प्रक्रिया है उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए बैंक के चौमुखी विकास करने में कितना योगदान रहा है यह अहम बात है इस अवसर पर पत्रकार परिषद के जिलाध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने कहा कि स्टेट बैंक की नौकरी चुनौती पूर्ण होती है। यहां पर हर काम नियमों से चलता है और हर कोई लाभ लेने के लिये रिश्ते नाते भी बनाता है लेकिन श्री सोनी ने कभी भी नियमों से हटकर कोई काम नहीं किया। उन्होने ने श्री सोनी से आग्रह किया की वे अब दूसरी पारी मतलब समाजिक क्षेत्र की तैयारी करें। इस अवसर पर उनके पुत्र गौरव सोनी ने पूरा विवरण बताते हुये कहा कि मुकेश सोनी का जन्म 1 जुलाई 1964 का जन्म 7 मार्च 1986 को बैंक ज्वाइन किया इसके पहले डीआरडीए आज जिला पंचायत कहलाता हैं साथ ही ब्लॉक ऑफिस घुघरी ग्रामीण विद्युत और मंडला बालाघाट क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक में कार्य किया। 3 भाई और 2 बहन में चौथे नंबर में दोनो भाई सरकारी नौकरी में है बड़े भाई अगस्त 23 में सेवानिवृत हुए छोटा राकेश फॉरेस्ट ऑफिस में है पिता रीडर के पद से रिटायर हुए थे जो अब हमारे बीच नहीं है 1986 में एसबीआई ज्वाइन छिंदवाड़ा के बिछुआ ब्लॉक में किया 2.5 वर्ष के बाद निवास, मंडला, गोटेगांव, नरसिंहपुर में रहे नरसिंहपुर से ट्रेनी ऑफिसर 2000 बैच बना और भोपाल एव रायपुर में अपनी ट्रेनिंग की पहली पोस्टिंग डोंगरगांव जिला राजनांदगांव में फील्ड ऑफिसर रहा फिर इंदिरा पैलेस भिलाई साथ ही पर्सनल बैंकिंग ब्रांच नेहरू नगर भिलाई न्यू ब्रांच खोलने का सौभाग्य मिला रायपुर तेलीबांधा में शाखा प्रबंधक रहा फिर लोकल हेड ऑफिस भोपाल में रहा 2011 में हरदा में शाखा प्रबंधक रहते हुए गुरुजी से मुलाकात हुई और जीवन में एक नया अध्याय जुड़ा 21 बार पंचकोषी परिक्रमा करने का और मां नर्मदा के दर्शन का सौभाग्य मिला नैनपुर में शाखा प्रबंधक रहे फिर मंडला रीजनल ऑफिस में सीएम एडमिन रहते हुए 3 जिला मंडला बालाघाट और सिवनी में काम किया फिर रीजनल ऑफिस एफआईएम एम इंदौर में 10 जिले पर कार्य किये गोयल नगर इंदौर में मुख्य प्रबंधक के रूप में 2 वर्ष कार्य किया लास्ट में आरएसीसी मंडला में एक वर्ष कार्य के बाद आज सेवानिवृत हो रहे हैं अपने कार्यकाल में बैंक के सभी एग्जाम पास किए जैसे म्यूचुअल फंड का एएमएफआई जनरल इंश्योरेंस का एसइबीआई लाईफ का सीआईएफ सहित बहुत सारे अचीवमेंट व अवॉर्ड मिले है।

शासकीय जर्जर भवन में संचालित हो रहा प्राइवेट स्कूल

*** क्षेत्रीय जनपद सदस्य ने जिला शिक्षा अधिकारी को जांच कर, उचित कार्यवाही के लिए सौपा ज्ञापन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/अंजनिया

विकासखंड बिछिया के अंतर्गत ग्राम पंचायत ककैया में जर्जर हालत में शासकीय भवन पर संचालित प्राइवेट स्कूल विद्या निकेतन लग रहा है जिसमें बच्चों के साथ कभी भी, अनहोनी की आशंका बनी हुई है। इस संबंध में क्षेत्रीय जनपद सदस्य क्रमांक 9 मुर्गन ठाकुर के द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी मण्डला को ज्ञापन के माध्यम से उचित कार्यवाही की मांग की गई है।

जानकारी के अनुसार मण्डला जिले के बिछिया विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत ककैया में बहुत गत वर्ष पहले पंचायत के लिए बने भवन जर्जर हो जाने के बाद,उसमें अब विद्या निकेतन स्कूल संचालित किया जा रहा है। जिसमें भवन पर तीन कमरे हैं जो जर्जर हालत में है ऐसे में इन्ही के बीच बच्चों को अध्ययन दिया जा रहा है, जो किसी रिस्क से बड़ा काम नहीं है। क्षेत्रीय जनपद सदस्य ने ज्ञापन में बताया है कि सरकारी भवन में 2, 3 कमरे हैं जो जर्जर में है, वही बच्चों के लिए बाउंड्री वॉल भी नहीं है, इसके अलावा पीने की समस्या भी स्कूल में बनी हुई है, और तो और स्कूल रोड के नजदीक है इससे बच्चों के साथ हादसे की संभावना भी है।

प्राइवेट स्कूल प्राचार्य के द्वारा, दबंगई से सरकारी भवन में स्कूल लगाया जा रहा है,और वही बाउंड्रीवॉल के लिए पर्याप्त जगह बनाने के चलते आसपास से घिरे दीवारों को तोड़ा जा रहा है। इसे देखते हुए क्षेत्रीय जनपद सदस्य के द्वारा बीते दिनों 24 तारीख को जिला शिक्षा अधिकारी मंडला कार्यालय में पहुंच ज्ञापन के माध्यम से स्कूल की स्थिति को दर्शाया गया है और प्राचार्य स्कूल के ऊपर उचित कार्यवाही की मांग की गई है।

इनका कहना है:-

ज्ञापन मुझे प्राप्त हुआ है, विकासखंड शिक्षा अधिकारी बी ओ को पत्राचार कर स्कूल में जांच के लिए कह दिया गया है। वही इस संबंध में विद्या निकेतन स्कूल के प्राचार्य से भी जानकारी लेना चाही गई तो उनके द्वारा यह कह दिया गया कि, यह सब जिलाधिकारी बताएंगे मुझे कुछ भी पता नहीं।

-मुन्नीबाई,
जिला शिक्षा अधिकारी

खबर संक्षेप

अवैध रूप से हथियार लेकर घूमते हुये तीन को किया गिरफ्तार

गाडरवारा। पुलिस द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाने के लिये की जा रही लगातार गस्त के दौरान बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा एक युवक को अवैध रूप से हथियार लेकर घूमते हुये पकड़ने में अलग अलग स्थानों से तीन युवकों को अवैध रूप से हथियार लेकर घूमते हुये पकड़ने में सफलता हासिल की गई है। इस संबंध में समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्लोबल स्थल के पास एक युवक अपने हाथ में बकानुमा हथियार लेकर धूम रहा था जिसे पकड़ते हुये जब पूछताछ की गई तो युवक ने अपना नाम शिवम पिता मुन्ना लाल श्रीवास उम्र 24 साल निवासी ग्राम छैनाकछार बताया गया। इस तरह पुलिस ने युवक के पास से बकानुमा हथियार जप्त किया गया। इसी प्रकार से पुलिस द्वारा नगर के सोयाबीन प्लांट के पास विकास पिता मलखान निवासी रानी लक्ष्मी बाई वार्ड के पास से भी एक तेज धारदार चाकू तथा नगर के शनि मंदिर के पास मबेशी बाजार में रितिक पिता पप्पू उम्र 19 वर्ष निवासी नया बस स्टेन्ड राजीव वार्ड के पास से भी पुलिस ने बकानुमा धारदार हथियार जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ 25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये गिरप्तार किया गया।

मधुमक्खी के छत्तों से फैल रही दहशत

गाडरवारा। इस समय जहां एक ओर बीएसएनल के उपभोक्ता खस्ताहाल हो रही नेटवर्क व्यवस्थाओं के चलते परेशान हो ही रहे है साथ ही साथ दूर संचार केन्द्र में अन्य फैली हुई व्यवस्थाओं से भी उपभोक्ताओं को संतुष्ट होते हुए नही देखा जा रहा है? क्योंकि इस समय यदि दूसर संचार केन्द्र में देखा जावे तो देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भले ही संपूर्ण देश में स्वच्छता अभियान चलाते हुए शासकीय कार्यालयों के अधिकारियों को अपने सभी कार्यालयों में स्वच्छत वातावरण बनाने के आदेश दिये है। मगर केन्द्र सरकार के अधीन माने जाने वाले दूर संचार केन्द्र इस समय पूर्णरूप से गंदगी के आगोश में समाया हुआ दिखाई पड़ रहा है? इतना ही नही इस केन्द्र के भवन में लगे हुए मधु मंख्खियों के छित्तानों की स्थिति को देखते हुए अपने जरूरी कार्यो से पहुंचने वाले उपभोक्ताओं में दशहत देखने मिल रही है? क्योंकि दूर संचार केन्द्र के भवन में भारी मात्रा में लगे हुए मधु मंखी छित्तानों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि कही यह मधुमंखी किसी के ऊपर हमला न बोल दे यदि ऐसा होता है कि निश्चित ही उसकी जान खतरे से खानी नही रह पायेगी।

सोसाईटी का माल बिक रहा किराना दुकानों पर

चीचली। शासन द्वारा गरीबी रेखा एवं अति गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले लोगों के लिये सेवा सहकारी समितियों से सस्ता अनाज उलब्ध कराने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो इस योजना में शामिल हितग्राहियों को शासन द्वारा एक रूपया किलों गेंहू व चांवल हर माह प्रदान किये जा रहे है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस प्रकार से खाद्यान्य वितरण केन्द्रो के ठीक सामने कुछ बिचुलियाँ नुमा लोगों द्वारा अपनी अनाज खरीदने की दुकान लगाते हुये उन गरीबों को प्रलोभन देते हुये उनका माल सस्ते दामों में खरीदते हुये उसे बाजार में महंगा बेचते हुये मालामाल होने से नही चूक पा रहे है? इस प्रकार से खाद्यान्य वितरण केन्द्रो के सामने संचालित होने वाले अनाज खरीदी करने वाले दुकानों की सच्चाई से प्रशासनिक अधिकारी भी अनजान नही है। मगर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नही होने के कारण उनके हौसले लगतार बुलंद होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है।

पॉलीथिन पर शासन का प्रतिबंध दिखाई दे रहा बेअसर

चीचली। पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुये मगर वह आदेश नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों द्वारा मात्र अखबारों में ईश्हार निकलवाने तक की कार्यवाही करते हुये अपनी खाना पूर्ति करते हुये नजर अंदाज करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है और इसी का परिणाम है।

सूखाखैरी- बारहाबड़ा से होते हुये सालीचौका सीमेन्ट की गुणवत्ता उभरकर आने लगी सामने

पुलियों पर निकल रही लोहे की राड दे रही दुर्घटनाओं को आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा।

जहां विकास के नाम पर करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है, मगर विकास कार्य के दौरान अधिकारियों द्वारा बरते जाने वाली उदासीनता का परिणाम इस तहर से देखने मिलता है कि शासन की राशि बर्बाद होने से नही चूक पाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई चीचली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका तक लगभग 76 करोड़ रूपया की लागत से निर्मित हुई सीमेन्ट सड़क को देखते हुये जान पड़ रहा है? बताया जाता है कि इस सीमेन्ट सड़क गुणवत्ता को लेकर तो सबाल निर्माण के शुरूआती दौर में ही उठनान शुरू हो गये थें? क्योंकि जब इस सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य शुरू हुआ था तो उस दौरान निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा छोटी मोटी पुलियों के निर्माण से शुरूआत की गई थी। जिसके चलते ग्राम बारहाबड़ा के पास निर्माणाधीन एक पुलिया निर्माण के दौरान ही धराशाही होने से निर्माण कार्य की सच्चाई उजागर होते हुये दिखाई पड़ने से नही चूक पा रही थी? इस सच्चाई को उस दौरान हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से उजागर किया गया था। मगर संबंधित विभाग द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही देने का परिणाम इस तरह देखने मिला कि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा करोड़ो की राशि से बनने वाली इस सड़क निर्माण में अपनी मनमानी के सभी हदे पार करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी? सीमेन्ट सड़क की एक ओर की पट्टी बनने के बाद जब दूसरी ओर की पट्टी का कार्य शुरू ही हुआ था और हाल में में निर्मित की गई सड़क की पट्टी जहां तहासं से चिटकते हुये दिखाई देकर अपनी गुणवत्ता को उजागर करने लगी थी यानि की सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण ही नही हो पाया था कि निर्माणाधीन सड़क पर जहां तहां से निकल रही दरारे तथा चटकती हुई सड़क निर्माण कार्य में अपनाई जाने वाली गुणवत्ता की सच्चाई को खुलकर उजागर करते हुये देखी जा रही थी। उस दौरान इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण जहां करोड़ो की राशि से बनी यह सड़क निर्माण के दौरान से अधिकारियों की अनदेखी व निर्माण कार्य करने वाली कंपनी की मनमानी की भेंट चढ़ने से नही चूक पाई है? इतना ही नही यदि 76 करोड़ रूपया की लागत से बनाई गई इस सड़क के अन्य निर्माण कार्यो पर नजर डाली जावे तो सड़क निर्माण के दौरान सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका के बीच सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य करने के साथ साथ बीच में पड़ने वाली पुलियों का निर्माण कार्य भी इसी में शामिल होने की चर्चा सुनी जा रही है..? मगर इस नव निर्मित पुलिये जहां निर्माण के दौरान ही जहां तहां से चटकते हुये देखी जा रही थी और वर्तमान समय में यानि की इस निर्माण को अभी पूरा तीन साल का समय भी नही बीत पाया है और पुलियों के आलवा सड़क में जहां तहां निकल रहे गड्ढे निश्चित तौर से संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की कार्य प्रणाली को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक पा रहे है तो दूसरी ओर पुलियों के ऊपर का हाल इस तरह से देखने मिल रहा है कि निर्माण के दौरान उपयोग की गई लोहे की सामग्री सड़क के बीचों बीच निकलते हुये अपनी गुणवत्ता को उाजागर करने के साथ साथ बड़ी दुर्घटनानओं को आमंत्रण देने से नही चूक पा रहा है? वही बताया जाता है कि सड़क निर्माण का कार्य जिस प्रकार से पुलियों का नया निर्माण करने की जगह कंपनी द्वारा पुराने पुल व पुलियों के भरोसे ही पूर्ण किया जाना संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ग्राम बारहाबड़ा के समीप ऊमर नदी पर बने हुये पुल जिसके निर्माण को वर्षो बीत जाने के कारण जहां यह पुल जर्जर स्थिति में पहुंच जाने के बाद भी इस पुल का पुनः निर्माण होने की जगह मात्र उसे रंग रोकन करते हुये इस 76 करोड़ा रूपया की सड़क की जिन्दगी इस पुल के भरोसे ही छोड़ दिये जाने का परिणाम इस तरह से देखने मिल रहा है कि शासन की करोड़ो रूपया की राशि खर्च हो जाने के बाद जहां सड़क के साथ साथ अनेक पुल व पुलिया मात्र एक साल के अंदर ही टूटना शुरू हो चुकी है तो दूसरी ओर सड़क पर जहां तहासं निकल रही लोहे की राडे वाहन चालको को खुलेआम मौत का आमंत्रण देने से नही चूक पा रही है? इस प्रकार से सरकार द्वारा क्षेत्रवासियों को यातायात के लिये अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने व युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त करने की सोच को ध्यान में रखते हुये ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका पौड़ार तिरहा तक लगभग 76 करोड़ की लागत से सीमेन्ट सड़क का निर्माण कराया गया है। वह निश्चित तौर से विभाग के अधिकारियों की अनदेखी व मिली भगत के चलते तथा क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण निश्चित तौर से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने से नही चूक पाया है? क्योंकि करोड़ो रूपया की राशि से निर्मित हुई यह सीमेन्ट सड़क जिस तरह एक साल भी पूरा करने के पहले जहां तहां से टूटते हुये देखाई देना शुरू गई थी वह अब जहां तहां बडे गड्े के रूप में दिखाई देने लगी है तो अनेक जगहों पर निकल रही लोहे की राडे राहगीरों के लिये खुलेआम मौत का सायरन बजाने से नही चूक रही है? यदि इस नव निर्मित सीमेन्ट सड़क के निर्माण को लेकर निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जिस तरह सड़क के निर्माण कार्य की शुरूआत की गई थी उसी दौरान गुणवत्ता को लेकर चर्चाओ आने से नही चूक पाई थी। इस सच्चाई को हरिभूमि द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी न तो यहां के जिम्मेदारों द्वारा ध्यान दिया गया है और न ही संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा जिसका परिणाम है कि क्षेत्र के लिये शासन से मिली करोड़ो की सौगात मात्र बंदर बांट की भेट चढ़कर बर्बाद होने से नही बच पाई है? यदि इस समय भी क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा टूट रही सड़क की सच्चाई पर अपनी गंभीरता का परिचय देते हुये लगभग दो साल पहले निर्मित हुई सड़क की निष्ठा के साथ जांच कराने के लिये आगे आये तो निश्चित तौर से इस सड़क के निर्माण में हुई गफलत बाजी उजागर होने से नही बच पायेगी।

शराब पीने के लिये पैसा नहीं देने की बात को लेकर मारपीट करते हुये चार पहिया वाहन में की तोड़फोड

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेडा पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस हेमंत पिता सुरेश कुमार कुशवाहा उम्र 21 वर्ष निवासी जेसी नगर जिला सागर द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह विंध्यवासिनी माईनिंग वर्क एल एल पी में ड्राइवरी का काम करता हूं। बीते हुये 27 जून की शाम लगभग 5.30 बजे जब वह अपने किसी काम से सी पी एक स्कूल साईखेडा के सामने तूमडा रोड पर खदान इंचार्ज महेन्द्र भदौरिया, ब्रज किशोर शर्मा एवं प्रवीण यादव डम्फर निकलवा रहे थें तभी सांईखेडा के मुन्ना सिंह चिरेंया, संजू चिरैया व अमित चिरैया आये और महेन्द्र तथा ब्रज किशोर से बोले की तुम बहुत पैसा कमा रहे हो हमे भी शराब पीने के लिये पैसा दो, जब महेन्द्र भदौरिया द्वारा पैसा देने से इंकार किया गया तो तीनों लोगों ने एक राय होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये लाठी से महेन्द्र व ब्रज किशोर के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई इस दौरान बीच बचाव करने के लिये प्रवीण यादव पहुंचा तो अनिल चिरैया तथा अरविंद राजपूत आ गये जिन्होनें प्रार्थी के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा बुलेरों क्रमांक एम पी 15 जेड एफ 3953 में तोडफोड करते हुये क्षति पहुंचाई। वही इन लोगों ने जान से मारने की धमकी देते हुये कहा कि यदि दोबारा शराब पीने के लिये पैसा देने से इंकार किया तो इसी तरह मारपीट की जावेगी। इस तरह घटित हुई घटना में प्रार्थी हेमंत कुशवाहा सहित महेन्द्र भदौरिया, ब्रज किशोर, प्रवीण यादव को चोटे आने के कारण उपचार हेतु ले जाया गया। वही सांईखेड़ा पुलिस द्वारा प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी मुन्ना सिंह चिरैया, संजू चिरैया, अमति चिरैया व अनिल चिरैया तथा अरविंद राजपूत के खिलाफ अलग अलग धाराओं के तहत मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पंचायतों में पति राज खत्म करने निर्णय के बाद भी स्थिति में नहीं हुआ सुधार, आज भी पत्नियों की कुर्सी पर जलवा दिखा रहे पतिदेव?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जहां एक ओर देखा जा रहा है कि संविधान में महिलाओं को आरक्षण देते हुए उन्हें अग्रसर किया जा रहा है। मगर अक्सर देखा जाता है कि जिन क्षेत्रों में महिलाएं आगे बढ़ने का प्रसास करती है उन क्षेत्रों में उनके पतियों द्वारा उनकी कुर्सी पर कब्जा करते हुए उन्हें पीछे की ओर करने में कोई कसर नही छोड़ते है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो पंचायती राज व्यवस्था से लेकर नगर पालिकाओं पर सरपंच पतियों से लेकर पार्षद पतियों का ही बोलबाला देखने मिलता है, जिसमें प्रमुख रूप से गौर किया जावे तो पंचायती राज में तो महिला सरपंच या जनपद सदस्य मात्र नाम की ही होती है बोलबाला तो उनके पतियों का ही रहता है? यहां तक की सरपंच पतियों द्वारा अपने आप को सरपंच प्रतिनिधि बताने या फिर अपने वाहनों में लिखने से भी नही चूकते है। जबकि नियम के अनुसार तो बताया जाता है कि निर्वाचित प्रतिधिनियों के प्रतिनिधि होने का कालम विधायक तक हो होता है? विधायक के नीचे प्रतिनिधि का कालम होता ही नही है..? मगर इसके बाद भी सरपंच पति अपने आप को सरपंच प्रतिनिधि मानते हुए पंचायतों की कार्यवाही में सबसे आगे देखे जाते है तो कुछ इसी प्रकार का हाल नगर पालिका से लेकर नगर परिषदों का देखने मिलता है जहां पर पार्षद पतियों की मौजूदगी देखी जाती है? इस बात की सच्चाई इस समय क्षेत्र की ग्राम

पंचायतों से लेकर नपा कार्यालयों से लेकर जनपद व ग्राम पंचायतों में आसानी से देखने मिल रही है। जहां पर बताया जाता है कि लम्बे अरसे महिला जनप्रतिनिधियों के राज करने की मिसालें पूर्व में मिलती रही है। हालत यह थी कि महिला जनप्रतिनिधियो के पतिदेव इन संस्थाओं के कार्यो में दखलन दाजी का प्रयास तो करते हुये देखे ही जाते है साथ ही कभी कभार इन जिम्मेदार मानी जानी वाली संस्थाओं की बैठकों में भी तशरीफ लाने से भी नही चूकते है। किंतु महिला जनप्रतिनिधियों के पतियों की मनमानी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगभग दो साल पहले म.प्र. शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने जिला पंचायत, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत की बैठकों से लेकर अन्य कार्यक्रमों में चुने हुए महिला जनप्रतिनिधियों के साथ उनके सम्बंधियो के शामिल होने पर रोक लगाने के आदेश जारी किये गये थें जिसमें प्रमुख रूप से गौर किया जावे तो स्वायत्तशायी संस्थाओं में महिला जनप्रतिनिधियों के सम्बंधियो के हस्तक्षेप को अनुचित बताते हुए शासन द्वारा लिए गये उक्त निर्णय की लोगों द्वारा सराहना की गई थी और इस निर्णय का पालन करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों के आलवा जिला स्तर के अधिकारियों को जिम्मा भी सौपा गया था कि इस निर्णय का कठोरता के साथ पालन होना चाहिए। मगर इस आदेश को लगभग एक वर्ष से भी अधिक का समय बीत जाने के बाद भी स्थिति जहां की तहां नजर आ रही है। क्योंकि इस आदेश की ओर न तो प्रशासनिक अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही इसका पालन हो रहा है? जिसके चलते आज भी अनेक जगहों पर महिला जनप्रतिनिधियों के पतियों द्वारा अपनी पत्नी की कुर्सियों पर जलबे दिखाते हुए आसानी से देखा जा रहा है? इस प्रकार की स्थिति के चलते जहां महिला आरक्षण नियम पर तो प्रश्न लग रही रहा है। वही दूसरी ओर सरकार की मंशा अनुसार महिलाओं की स्वतंत्रता का भी हनन होते हुए देखा जा रहा है। इस प्रकार की सच्चाई के चलते जहां अनेक जगहों पर निर्वाचित हुई महिला जनप्रतिनिधि मात्र चौका चूल्हा तक की सीमित होकर रह गई है और उनका निर्वाचित होना मात्र एक औपचारिकता बना हुआ देखने मिल रहा है? जबकि गौर किया जावे तो संविधान में मातृशक्ति को जिस सोच के साथ आरक्षण देते हुए उन्हें आगे बढ़ने का मौका दिया गया है और उसका पूरा लाभ मातृशक्ति को मिलने लगे तो निश्चित तौर से देश की सूरत बदलने में देर नही लग सकती है। मगर इस ओर प्रशासन की उदासीनता के चलते संभव होते हुए दिखाई नही पड़ रहा है?

सट्टा पट्टी काटते हुये सटोरिया लगे पुलिस के हाथ

हरिभूमि न्यूज / गाडरवारा।

इस दिनों जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में नगर निरीक्षक उमेश तिवारी द्वारा सटोरियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर बीते हुये दिवस नगर के चीचली तिरहा के पास एक युवक को अवैध रूप से सट्टा पट्टी काटते हुये पकड़कर जब उससे पूछताछ की गई तो आरोपी ने अपना नाम गौतम पिता हाकम सिंह कौरव उम्र 36 साल निवासी ग्राम दहलवाडा थाना सांईखेडा.बताया गया। वही पुलिस ने युवक के पास से सट्टा पट्टी सहित नगदी 150 रूपया जप्त किये। इसी प्रकार से सिहोरा चौकी पुलिस द्वारा भी ग्राम गरहा बाजार में वही के निवासी दीपक पिता राम नारायण शर्मा उम्र 35 साल के पास से सट्टा पट्टी सहित नगदी 230 रूपया तथा नगर के रेलवे स्टेशन रोड पर रज्जू पिता शुक्ल प्रसाद धानक निवासी गाडरवारा सट्ट पट्टी सहित नगदी 250 रूपया व सालीचौका रेता

मुहल्ला में यश पिता राघवेन्द्र मेहरा उम्र 19 साल के पास से भी सट्टा पट्टी व नगदी 220 रूपया तथा ग्राम खुलरी इमालिया पुल के पास जितेन्द्र पिता देवेन्द्र रजक निवासी ग्राम खुलरी के पास से सट्टा पट्टी व नगदी 320 रूपया तथा सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम हर्रई में वही के निवासी चरण सिंह पिता धन्ना लाल जाटव उम्र 37 साल के पास से भी पुलिस ने सट्टा पट्टी सहित नगदी 360 रूपया जप्त करते हुये धारा 4 क जुआ एक्ट के तहत मामला कायम किया गया।

धोखाधड़ी करते हुये 32 क्विंटल मूंग की पार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जाल साजी करने वाले उन किसानों को भी नही छोड़ते है जो दिन रात धूप में रहते हुये अपने खेतों में अनाज पैदा करने के बाद उसका एक एक दाना बीनकर अपने घर लेकर आते है। कुछ इसी प्रकार का मामला बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम पिठहरा में उस समय देखने मिला जब कुछ लोगों द्वारा एक किसान के साथ धोखाधडी करते हुये 32 क्विंटल मूंग पार कर डाली। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पिठहरा निवासी एक कृषक द्वारा पुलिस थाने में की गई अपनी शिकायत में आरोप लगाते हुये बताया है कि हमने अपने घर की 24 एकड जमीन की लगाई गई थी जिसमें 94 क्विटल 58 कि.ग्रा.मूंग पैदा होने के बाद उसे तैयार करते हुये अपने घर में रखे हुये थें। वही 18 जून 2024 को गुरजंत सिंह, जगतार सिंह एवं मलकित सिंह मेरे घर आये थे जो मूंग खरीदने का काम करते है। इन लोगों द्वारा मुझसे 8251 रूपये क्विंटल की दर से मूंग खरीदने का सौदा किया गया था, जिसके बाद मै अपने कर्मचारी शिव नारायण श्रीवास एवं राम लाल(डालचंद) को मूंग तुलाई के लिए उनके साथ लगाकर मै पडौस के गांव देवरी अपने काम से चला गया था जो

कि उपरोक्त तीनो मूंग तोलने के लिए खुद का तराजू रखे थें, जो हमारे यहा 62 क्विंटल मूंग तोलकर लिये जिसके लिए 05 लाख 11 हजार रूपये पैमेंट किये जिसमें उपरोक्त तीनो के द्वारा अपने तराजू से मेरा 32 क्विंटल 58 कि.ग्रा.मूंग अधिक कीमती 2,68,817 रूपये की धोकाधडी कर ज्यादा तोल कर ले गये इसकी जानकारी मुझे बाद में घर वापस आने पर लगी इसके पश्चात ग्राम जमाडा के सौरभ पटैल से इस विषय में चर्चा की तो उन्होने बताया कि उनके यहा भी गुरजंत सिंह ,जगतार सिंह एवं मलकित सिंह के द्वारा सौरभ पटैल पिता शशीकांत पटैल निवासी जमाडा से 386 क्विंटल मूंग के ढेर से 100 क्विंटल मूंग खरीदने पर तराजू से हेराफेरी कर 60 क्विंटल मूंग अधिक कीमती 4,98,000 रूपये की धोकाधडी कर तोल कर ले गये है इसके पश्चात शिकायत कर्ता द्वारा आरोपियों की अनेक जगहों पर खोजबीन की गई मगर जब वह नही मिले तो पुलिस थानेमें शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपिों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लेकर खोजबीन की जा रही है।

अलग अलग जगहों से पुलिस ने जप्त की गई अवैध शराब

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

पुलिस द्वारा शराब के अवैध कारोबार को लेकर लगातार धरपकड़ मुहिम चलाई जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम झामर तिगड्डा बैरागढ़ रोड पर एक युवक को कुप्पी में 5 लीटर शराब रखे हुये पकड़कर जब उससे पूछताछ की गई तो युवक ने अपना नाम महेश पिता निरपत ठाकुर उम्र 40 वर्ष निवासी घाट कामती बताया गया। इस तरह पुलिस ने युवक के पास से शराब जप्त की गई। इसी प्रकार से बारहाबड़ा रोड रहमा तिरहा के पास भी पुलिस ने कालूराम पिता विश्राम ठाकुर उम्र 35 वर्ष निवासी घाट कामती के पास से 5 लीटर तथा नगर के कुचबंदिया मुहल्ला में हल्के पिता रूपराम चौधरी उम्र 26 साल निवासी माता मुहल्ला के पास से भी 5 लीटर तथा समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम पुरगंवा ढाबा के पास वहीद पिता रमजान खान उम्र 52 साल के पास से पुलिस ने 18 पाव तो नगर के कुचबंदिया मुहल्ला में एक महिला के पास से 15 लीटर कच्ची व नगर के चीचली की ओर जाने वाले फाटक के पास राम स्वरूप पिता प्रेम नारायण केवट उम्र 40 साल निवासी शांति नगर सांईखेडा के पास से 10 लीटर कच्ची महुआ की

तथा नगर के कुचबंदिया मुहल्ला में माधव पिता गंगाराम धानक उम्र 47 साल निवासी आजाद वार्ड के पास से 4 लीटर तथा ग्राम पनागर में नन्हे लाल पिता बहोरी लाल कीर उम्र 28 साल निवासी कीर मुहल्ला पनागर के पास से 10 लीटर व नगर के विवेकानंद वार्ड में एक महिला के पास से 5 लीटर तथा एक महिला के पास से 5 लीटर कच्ची शराब जप्त करते हुये धारा 34 आवकारी एक्ट के तहत मामला कायम किया गया है।

खबर संक्षेप

मेंहदवानी के फतेहपुर में बिजली करंट लगने से अधेड़ की मौत

मेंहदवानी। पुलिस थाना मेंहदवानी अंतर्गत नजदीकी ग्राम फतेहपुर में शनिवार की सुबह लगभग 8 बजे बिजली तार जोड़ते समय अधेड़ को करंट लगने से मौके पर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार फतेहपुर निवासी महासिंह मरावी पिता प्रेम सिंह मरावी उम्र 48 वर्ष का घर मोहल्ले से दूर अकेला बना हुआ है। मृतक मोहल्ले से अपने घर तक बिजली तार खींचकर बिजली का उपयोग कर रहा था। शुक्रवार की रात्रि बिजली तार टूट गया था जिसे शनिवार की सुबह लगभग 8 बजे बिजली तार जोड़ रहा था तभी उसे करंट लग गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस डायल 100 को दी। सूचना मिलते ही मेंहदवानी पुलिस मौके पर पहुंच गई और पंचनामा की कार्यवाही करते हुए शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदवानी के मर्चुरी में शव परीक्षण कराया इसके उपरांत अंतिम संस्कार हेतु शव परिजनों को सौंप दिया। मेंहदवानी पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

लंगूर के हत्यारे को 1 वर्ष कारावास की सजा

डिण्डौरी। अभियोजन अधिकारी ने प्रेसनोट जारी कर बताया कि वन परिक्षेत्र डिण्डौरी के पी.ओ.आर. क्रमांक 740/05 के आरोपी कमलेश पिता कमलसिंह उम्र 59 वर्ष निवासी केवलारदर थाना डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के विरूद्ध धारा 2, 9, 39, 50, 51, 52 वन्य प्राणी अधिनियम अंतर्गत आरोप है कि, दिनांक 27.04.2019 को बीट भरवाई में आरोपी को काला मुंह का बंदर(लंगूर) को मारकर खाने के आशय से आग में पकाते हुए उसके घर में वन विभाग की टीम द्वारा पकड़ा गया था। उक्त मामले में माननीय न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डिण्डौरी द्वारा अभियोजन साक्ष्यों के साक्ष्य के आधार पर आरोपी कमलेश पिता कमलसिंह उम्र 59 वर्ष निवासी केवलारदर थाना डिण्डौरी जिला डिण्डौरी को धारा 2, 9, 39, 50, 51, 52 वन्य प्राणी अधिनियम अपराध के लिए 01 वर्ष कारावास एवं 2000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया । उक्त मामले में अभियोजन की ओर से मनोज कुमार वर्मा, सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी डिण्डौरी द्वारा मामले का सशक्त संचालन किया गया ।

वृहद रूप से चलाया जा रहा पौधरोपण अभियान

अनूपपुर। 5 जून से 15 अगस्त तक कुल 72 दिवसीय प्रदेश व्यापी ₹वृहद वृक्षारोपण विशेष अभियान₹ म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निदेर्शानुसार आज दिनांक 29 जून को ₹वृहद वृक्षारोपण अभियान₹ के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पी.सी. गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के द्वारा जिला जेल अनूपपुर में वृक्षारोपण किया जा रहा है। लगातार बढ़ रहे तापमान को दृष्टिगत रखते हुए इस अभियान में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती मोनिका आध्या, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती चैनवती ताराम, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री अंजली शर्मा, भारतीय स्टेट बैंक, शाखा अनूपपुर से सतीश मिश्रा, भारतीय स्टेट बैंक शाखा कलेक्ट्रेट ऐरिया से बैजनाथ कुमार, डिप्टी लीगल एड डिफेंस काउंसिल रामकृष्ण सोनी, असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल आयुष सोनी, विकास शुक्ला ने जिला जेल परिसर में बंदियों एवं जेल अधीक्षक इंद्रदेव तिवारी के सहयोग से आज का वृक्षारोपण अभियान सफल हुआ। जिला जेल अनूपपुर में लगभग 500 फलदार वृक्ष लगाने का स्थान सुनिश्चित किया गया है। लगातार यह अभियान 15 अगस्त तक चलता रहेगा।

प्रधानमंत्री सड़क जर्जर, मेंटेनेंस में होने के बाद भी ठेकेदार नहीं दे रहा ध्यान

शहपुरा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत वर्ष दिसम्बर 2022 में बनकर तैयार हुआ शहपुरा से धारेगांव तक के 6.62 किमी रोड की हालत इन दिनो खासी जर्जर हो चुकी है, जिसकी लागत लगभग 84 लाख रुपए है जबकि मेंटेनेंस रखरखाव की लागत जिसमें 16.26लाख की स्वीकृति थी। लेकिन मेंटेनेंस में होने के बावजूद ठेकेदार सड़क मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणजन कई बार रोड के जीर्णोद्धार के लिए ठेकेदार से संपर्क कर चुके है लेकिन ग्रामीणों की शिकायतों पर भी ठेकेदार मामले में रूचि नही ले रहा है। ग्राम पंचायतों ग्रामीण ने बताया कि रोड की मरम्मत के लिए वह प्रधानमंत्री सड़क योजना के अधिकारियो से भी चर्चा कर चुके है। लेकिन कही कोई सुनवाई नही हो रही है और सड़क के बीचों

बीच बड़ी-बड़ी दरारें आ जाने के कारण कई बार मोटरसाइकिल चालक फिसल कर गिर जाते हैं, साथ ही ऑटो भी कई बार अनियंत्रित होकर गिरते गिरते बचे हैं। जानकारी के अनुसार बिछिया के सुरेंद्र कुमार राय द्वारा उक्त रोड का निर्माण किया गया है। फिलहाल ग्रामीणों ने सड़क सुधार कार्य नही किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

कमिश्नर से की शिकायत, जनपद उपाध्यक्ष के पद का दुरूपयोग कर लाभ उठाने के लगाए आरोप

डिंडोरी। जिले के शहपुरा जनपद अन्तगर्त ग्राम जिमरा निवासी छक्के लाल झारिया ने कमिश्नर जबलपुर से लिखित शिकायत कर जनपद पचायत उपाध्यक्ष जितेन्द्र चंदेल पर पद का दुरूपयोग करते हुए पचायत राज अधिनियम 1993 के उपबधो का उल्लघन करते हुए जनपद क्षेत्र मे बिल बाउचर लगा आथिक लाभ लेते हुए भ्रष्टाचार सहित आर्थिक अनिमियतता किये जाने के आरोप लगाते हुए मामले मे जांच कर कार्यवाही करते हुए पद से हटाने की मांग की है।

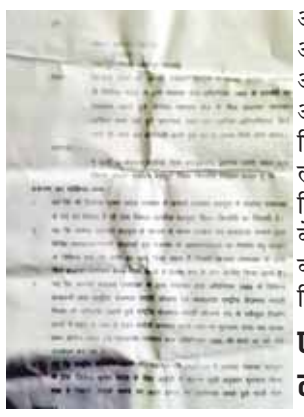

यह है पूरा मामला

कमिश्नर जबलपुर को शिकायतकर्ता द्वारा की गई लिखित शिकायत मे वर्णित है कि जनपद उपाध्यक्ष द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओ एव रोजगार से जुडे अधोसरचनाओ के निर्माण कार्यो मे बिल बाउचर लगा निजी खातो मे प्रत्यक्ष रूप से लाभ अर्जित किया गया है शिकायतकर्ता द्वारा आरोप लगाया गया है कि भारत सरकार की मनरेगा योजना मे उपाध्यक्ष द्वारा पद के प्रभाव का दुरूपयोग करते हुए मनरेगा जैसी सरकार की महत्वाकाक्षी योजना मे निजी लाभ अर्जित कर पदीय दायित्वो और कर्तव्यो मे घोर लापरवाही की गई है।शिकायत के पत्र के माध्यम से आरोप लगाया गया है कि उपाध्यक्ष चन्देल द्वारा अप्रत्यक्ष और असवैधानिक रूप से ग्राम पचायतो के जनप्रतिनिधियो के उपर दबाव बनाकर बिल बाउचर लगाकर राशि अपने निजी खातो मे हस्तांतरित कर लाभ अर्जित किया जा रहा है।

मिलीभगत कर लाभ कमाने का आरोप

जनपद उपाध्यक्ष पर शिकायतकर्ता द्वारा आरोप लगाया गया है कि उनके द्वारा जनपद के अधिकारियो से सांठगांठ कर अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर भुगतान लिया जा रहा है मध्यप्रदेश पंचायतीराज अधिनियम, मनरेगा अधिनियम, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, आर्थिक अपराध अधिनियम एव अन्य विविध अधिनियमो के तहत राज के निर्वाचित पद जनप्रतिनिधि लोकसेवक की श्रेणी मे आते है किन्तु उनके द्वारा लोकसेवको के दायित्वो का निर्वाहन न करते हुए पद का दुरूपयोग किया जा रहा है।

पद से हटाने की उठी मांग

शिकायतकर्ता ने कमिश्नर जबलपुर से लिखित शिकायत कर आरोप लगाया है कि वर्तमान मे जनपद उपाध्यक्ष और पूर्व मे उपसरपंच रहते हुए गत नौ वर्षो मे जितेन्द्र चंदेल द्वारा वेंडर आईडी के माध्यम से भुगतान प्राप्त किया गया है मामले की जांच करवाते हुए उन्हे पद से हटाया जावे।

पहले भी हो चूकी है शिकायत

गौरतलब है कि हाल ही मे कूछ दिवस पूर्व भी किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रेवा प्रसाद झारिया, महेन्द्र झारिया सहित अन्य ने पत्रकारवार्ता कर जनपद उपाध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए उनके द्वारा एसडीएम, कलेक्टर सहित अन्य स्थानो पर शिकायत कर जांच करवाने की माग से जुडी जानकारी उपलब्ध करवाई गई थी वही उसके बाद कुछ मीडियाकर्मियो को जानकारी देते हुए उपाध्यक्ष ने स्वय पर लगे आरोपो को पूरी तरह निराधार बतलाया था, बरहाल मामले की जांच उपरान्त सभी तथ्य सामने आ जावेगे।

नाती ही निकला वृद्ध का हत्यारा: जमीनी विवाद को लेकर कुल्हाड़ी से कर दी निर्मम

बजाग पुलिस ने किया अंधे हत्याकांड का 24 घंटे के अंदर खुलासा

डिण्डौरी। बजाग थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सैलवार में 28 जून को वृद्ध की कुल्हाड़ी से हत्या करने का मामला सामने आया था, जिसकी सूचना प्रातः 07:50 बजे शिवकुमार पिता रामप्रसाद मरकाम उम्र 53 वर्ष निवासी ग्राम सैलवार द्वारा दी गई थी, प्रार्थी के ससुर बैशाखू उईके करीबन 10 वर्षों से हमारे साथ रहते है, दिनांक 27.06.2024 को ससुर बैशाखु उईके रात करीब 11:00 बजे पीछे तरफ बरामदे में तखत पर सोये थे, सुबह करीब 4 बजे शिवकुमार निस्तार हेतु बाहर गया था, वापस आकर देखा तो ससुर बैशाखु उईके जिस तखत पर सोये थे जिसके नीचे खून फैला हुआ था, तब फरियादी शिवकुमार खून देखकर परिवारजनों को आवाज लगाया तब उसकी पत्नि व बच्चे उठकर आये एवं पडोस के व्यक्ति भी आ गये, फिर देखे तो बैसाखू का गला कटा हुआ था।

किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा गला काट कर उसकी हत्या कर दी गई थी । मृतक बैशाखु उईके का जमीनी विवाद अपने परिवार वालों से चल रहा था। उक्त रिपोर्ट पर थाना बजाग द्वारा मर्ग क्र.19/24 धारा 174 जा.फौ. एवं अप.क्र.158/24 धारा 302 भादवि. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया, मामला गंभीर प्रकृति का होने से वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई, जिन्होने थाना प्रभारी बजाग को टीम गठित कर आरोपी की गिरफतारी करने हेतु निर्देशित किया गया, जिस पर थाना प्रभारी बजाग एवं टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए हत्या के प्रकरण में संदेही रंजीत उइके पिता स्व. इंदर सिंह उइके उम्र 20 वर्ष ग्राम सैलवार को अभिरक्षा में लेकर पूछतांछ की गई, जिसने बताया कि घटना दिनांक की दरमियानी रात्रि में जमीनी विवाद रंजिस को लेकर मृतक बैशाखु उईके का कुल्हाडी से गला काट कर हत्या को अंजाम देना स्वीकार किया, उक्त आरोपी से घटना में प्रयुक्त कुल्हाडी को बरामद किया गया है एवं आरोपी को गिरफतार कर न्यायालय पेश किया जा रहा है। अंधे हत्या मामले को सुलझाने में थाना प्रभारी बजाग निरी. बी. के. पण्डोरिया, उनि. अशोक तिवारी, सउनि. धनन्जय साहू, सउनि.रमेश कुड़ापे, प्र.आर.305 राघवेन्द्र सिंह , आर.390 पंकज चीचाम एवं स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही हैं ।

बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में लगाई श्री अन्न की प्रदर्शनी

डिंडोरी। रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत श्री अन्न के उत्पादन, रकबे और संवर्धित उत्पादों के मूल्य को बढ़ाने हेतु बालाघाट जिले में मुख्यमंत्री द्वारा श्री अन्न कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमे जिला डिंडोरी द्वारा भी जिला प्रशासन और विभाग के संयुक्त तत्वाधान में श्री अन्न की प्रदर्शनी लगाई गई ।

जिसका अवलोकन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया। साथ ही डिंडोरी जिले के महिला समूहों द्वारा निर्मित विभिन्न व्यंजनों का स्वलापहार भी किया गया। जैसा की विदित है की हमारे महिला समूहों द्वारा श्री अन्न के बिस्कुट, नमकीन , लड्डू, ब्रेड, केक, कप केक, सेवई, पापड़, खीर, पुलाव, इत्यादि व्यंजन बनाए जाते है।

भाजपा ने जिले के सभी 8 मंडलों के 655 बूथ केंद्रों पर मन की बात कार्यक्रम के लिए नियुक्त किए

डिंडोरी। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार 30 जून को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात के माध्यम से सामाजिक विषयों पर विकसित भारत की कल्पना को लेकर चर्चा करेंगे भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई डिंडोरी द्वारा जिले के सभी 8 मंडलों के 655 मतदान केदो पर इस कार्यक्रम को लेकर पार्टी ने कार्य योजना बनाकर मन की बात कार्यक्रम के लिए समस्त मंडल अध्यक्षों को निर्देशित किया है कि इस कार्यक्रम को

प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक बूथ पर बड़ी स्क्रीन लगाकर प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के विचारों को समाज तक पहुंचे और उनके अनुकरणीय प्रेरणादायक विचारों को लोग समझ सके यह कार्यक्रम काफी महत्वपूर्ण है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुधीर दत्त तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि भाजपा जिला अध्यक्ष अवध राज बिलैया के नेतृत्व में 30 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात कार्यक्रम को जिले के सभी बूथों पर सामाजिक रूप से सुना जाये पार्टी के सभी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि बूथों के प्रभारी बनाए गए हैं सभी प्रभारी अपने अपने बूथ स्थान पर इस कार्यक्रम में आवश्यक रूप से भाग ले। मध्य प्रदेश के संबंध में उल्लेख किए गए सामाजिक विषयों को प्रादेशिक भाषा में मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचारित एवं प्रसारित करें। मन की बात मैं उल्लिखित व्यक्ति यदि डिंडोरी जिले से है तो उनसे मिलकर उनका सम्मान करें। पार्टी जिला अध्यक्ष ने सभी मंडल अध्यक्ष बूथ अध्यक्ष एवं पन्ना प्रमुख स्थानीय समिति एवं कार्यक्रम के प्रभारी से कहां है कि कार्यक्रमों के फोटो संगठन एप्प एवं नमो एप मै अपलोड कर कार्यक्रम को पूर्ण रूप से संपन्न बनाएं।

ग्राम पंचायत सुनपुरी में चरम पर है भ्रष्टाचार का बोलबाला

डिंडौरी। जिले के जनपद पंचायत बजाग में इन दिनों भ्रष्टाचार चरम पर है। विभागीय अधिकारियों और तकनीकी अमले की सांठगांठ के चलते आए दिन सरपंच, सचिव और उपयंत्री के काले कारनामे प्रकाश में आते रहते है कही फर्जी मस्टर रोल, तो कही बगैर कार्य कराए राशि निकालना या फिर पुराने कार्य को ही नया दिखाकर राशि आहरण करना, भ्रष्ट कार्यों को कमीशनखोरी कर दबाना आम बात हो गई है। वही जिला से लेकर जनपद तक के जिम्मेदार इन पर कार्यवाई करने से बच रहे है। अगर कार्रवाई भी की जाती है तो वह सिर्फ कागजो में ही सिमटकर रह जाती है।

ये हैं पूरा मामला

मामला बजाग जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सुनपुरी का सामने आया है। जहां ग्राम पंचायत सुनपुरी के सरपंच संतोष कुमार और सचिव गजरूप सिंह धुर्वे के द्वारा बिना कार्य कराए ही लगभग 09 लाख की राशि इंजीनियर की मिलीभगत से आहरण कर कार्य को कागजों में पूर्ण बता दिया गया है।

ग्रामीणों ने जानकारी में बताया कि ग्राम पंचायत सुनपुरी में नाला विस्तारीकरण के नाम से करीब 09 लाख की राशि सरपंच और सचिव के द्वारा सांठगाठ कर राशि आहरण कर ली गई है जबकि उक्त नाले में आज दिनांक तक कोई कार्य नहीं कराया गया है। बताया गया कि सुनपुरी ग्राम पंचायत के लमसा नाला में नाला विस्तारीकरण के लिए लगभग 09 लाख से ज्यादा की राशि मंजूर की गई थी जिसके बाद वहा कार्य कराया जाना था लेकिन सरपंच, सचिव द्वारा बिना कार्य किए ही कागजों पूर्ण बता कर राशि आहरित कर ली गई। वही लमसा नाले में वर्ष 2024 जनवरी माह में कार्य दिखाया गया और मस्टर रोल के माध्यम से मनरेगा के तहत मजदूरी कार्य में नाला विस्तारीकारण के नाम से राशि निकाली गई, जबकि इस नाले मे न तो कोई कार्य कराया गया और न ही नाले का जीर्णोद्धार किया गया।

जिले में भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है, यहां आए दिन कुछ न कुछ भ्रष्टाचार के मामले समाचार पत्र में सुर्खियां बटोर रहे है। चाहे जिले का कोई भी विभाग हो सभी विभागों में भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है और इन पर अंकुश लगा पाना जिला प्रशासन को टेढ़ा साबित हो रहा है। अब आलम यह है कि कार्रवाई के नाम से सिर्फ खानापूर्ति कर कागजों में ही कार्रवाई सिमट जा रही है। वहीं गलत करने वालों को सह दिया जा रहा है।

गलती छुपाने बरसात के मौसम में जे सी बी से खनन

वहीं अखबारों की सुर्खियां बटोर रही यह खबर तकनीकी अमला तक पहुंची तो उन्होंने जांच करने का आश्वासन तो दिया पर खासी रूची नहीं दिखाई क्योंकि भ्रष्टाचारियों को जो बचाना था। सालों से भ्रष्टाचार की गर्त में धकेला गया जनपद पंचायत बजाग आज भी विभागीय अमले की मनमानी का शिकार है। कमीशनखोरी और मनमानी के चलते क्षेत्र में भ्रष्टाचार थमने का नाम नहीं ले रहा सिर्फ कमीशन के बेस पर कार्य निपटाने के चलते क्षेत्र में अनेक कार्यों में ग्राम प्रमुख और सचिव की मनमानी को संरक्षण मिल रहा है। संरक्षण इसलिए भी है कि बाद मामले जानकारी लगने के बाद जांच के लिए जनपद स्तर पर दो सदस्यीय जांच टीम बनाई गई थी, जांच टीम गठित हुई 15 दिनों से ऊपर हो गए लेकिन अभी तक जांच टीम ने अपने रिपोर्ट नहीं सौंपी गई है, और एस डी ओ इंजीनियर की सांठगांठ से भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए अब ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक के द्वारा खबर प्रकाशन के बाद आनन-फानन में नाले का पानी भागकर जेसीबी मशीन से लीपापोती किया जा रहा है जिसे देखकर लगता है कि ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों को न जांच की चिंता, न कार्रवाई का डर है तभी तो अभी चल ही रहा है और ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव खुलेआम जेसीबी मशीन से लीपापोती का खेल खेला जा रहा है। आखिर कब इन भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बरहाल मामले की जानकारी जब बजाग जनपद पंचायत एसडीओ को दी गई तो उन्होंने कहा कि उक्त मामले की जानकारी लेकर चल रहे कार्य को बंद करती हूं।

कमीशनखोरी काम में बाधक

जनपद क्षेत्र में विभागीय अफसर जमकर कमीशनखोरी करते हैं, वहीं जब इस तरह के भ्रष्टाचारों के बारे में पत्रकारों द्वारा सवाल पूंछे जाते हैं तब इंजीनियर के पेट में दर्द होता है। मनरेगा के कार्य में मूल्यांकन इंजीनियर करता है पर इंजीनियर कहते हैं कि मैं इस मामले में कुछ नहीं जानता, इतना ही नहीं पत्रकारों को ही मूल्यांकन करने को कहा गया। आप समझ सकते हैं कि विभागीय अफसर सवालों से कितना बचते हैं वहीं दूसरी ओर भ्रष्ट अफसरों की लालच उनके क्रियान्वयन में संदेहास्पद स्थिति पैदा करती है।

क्या अधिकारियों की रजामंदी से चल रहा भ्रष्टाचार का खेल

जिस तरह से बिना कार्य के ही नाला विस्तारीकरण के नाम से राशि निकाली गई और संबंधित ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों सरपंच, सचिव के साथ मिलकर इंजीनियर ने मूल्यांकन कर कार्य को पूर्ण बताया गया जिससे जनपद के जिम्मेदारों की कार्य प्रणाली पर सवाल उठ रहे। आखिर ऊपर पर बैठे उच्चाधिकारी इसको रोक क्यों नहीं पा रहे हैं। यह भी एक बडा सवाल है कि कहीं उच्चाधिकारियों की रजामंदी से यह सब तो नहीं हो रहा है, शायद इसी वजह से उच्चाधिकारी मौन रहते हैं, उपर बैठे अधिकारी पंचायतों के कर्मचारियों के काले कारनामों की कभी जांच तक नहीं करते है, कुल मिलाकर कार्रवाई न होना अधिकारियों के कमीशन की तरफ इशारा करता है। क्या आला अधिकारियों की मिलीभगत खुलेआम भ्रष्टाचार को छुपाने का यह खेल खेला जा रहा है।

इनका कहना है....

नाला विस्तारीकरण के मूल्यांकन के बारे में मेरे से नहीं सचिव सरपंच से पूछो, मैं कुछ नहीं कह सकता, मेरी कोई जबावदारी नहीं है, या तो मूल्यांकन तुम कर लो।

राजेश कोठारी, उपयंत्री

नाला विस्तारीकरण में जेसीबी से यदि कार्य हो रहा है तो उसे बात करके बंद कराती हूं

प्रियंका मरावी, सहायक यंत्री

अगर नाला विस्तारीकरण के नाम से राशि निकली है और मौके पर कार्य नही हुआ तो मै जांच करवाता हूं और जो भी दोषी होगा उस पर कार्यवाई की जाएगी

मुंशी लाल धुर्वे, जनपद सीईओ बजाग जिला डिंडौरी

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, रविवार 30 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

रास सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने किया वृक्षारोपण

नरसिंहपुर। शनिवार को साईं शिक्षा समिति द्वारा संचालित रोशन धोरेलिया वर्ल्ड स्कूल में राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा द्वारा वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री तन्खा द्वारा जीवन में शिक्षा व पर्यावरण पर प्रकाश डालते हुए सार्गर्भित उद्बोधन दिया गया। उक्त अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन इंजी. प्रसून धोरेलिया, डायरेक्टर इंजी. सोनाली धोरेलिया सहित अन्य अतिथियों में मनीष जैन, सुमित जायसवाल, रूद्रेश तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे। विद्यालय के छात्रों द्वारा बैंड की सुमधुर प्रस्तुति देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं वंदना के साथ किया गया।

सर्पदंश से व्यक्ति की मौत

नरसिंहपुर। गत दिवस व्यक्ति की सर्पदंश से मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार धनीराम पिता हीरालाल पटैल उम्र 60 वर्ष निवासी भौंरा थाना तेंदूखेड़ा को खेत मे काम करते समय सर्प ने काट लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर मर्ग कायम कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौप दिया।

सड़क दुर्घटना में वृद्धा घायल

नरसिंहपुर। गत दिवस टोल नाके के पास हुई सड़क दुर्घटना मे बुजुर्ग महिला घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि त्रिवेणी बाई पति कालूराम उम्र 70 वर्ष निवासी बौछार थाना ठेमी टोल नाका थाना स्टेशनगंज अंतर्गत हुई सड़क दुर्घटना मे घायल हो गई जिसे उपचार जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नरसिंहपुर। अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर जिले के हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार के मार्गदर्शन में विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बघुवार में नशा मुक्ति दिवस पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। नशामुक्ति लघुकथा के माध्यम से नशा हमारे राष्ट्र, समाज और परिवार के लिए कितना घातक है। नशा करने से हमारे स्वास्थ्य पर कितना बुरा असर पड़ता है और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का कारण धूम्रपान है, की जानकारी दी। जिले के समस्त हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी विद्यालयों के छात्र- छात्राओं द्वारा तम्बाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना है पर आधारित विशेष कार्यक्रमों जैसे स्लोगन, रैली, शपथ, नाटिका, संगोष्ठी, रंगोली एवं वाद- विवाद निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रेल संघर्ष समिति ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। विगत दिवस रेल संघर्ष समिति द्वारा इटारसी जबलपुर रेल खंड द्वारा हर्षित श्रीवास्तव जनसंपर्क अधिकारी, एवं सचिव महाप्रबंधक पश्चिम मध्य रेलवे कार्यालय जबलपुर एवं डाक्टर मधुर वर्मा डी आर एम जबलपुर को प्रतिनिधि मंडल द्वारा ज्ञापन सौंपकर शटल गाड़ी चलाने एवं एक्सप्रेस ट्रेन में जनरल बोगी बढ़ाए जाने की मांग की गई है, मांगे पूरी न होने पर जनांदोलन के लिए बाध्य होने की चेतावनी दी गई है। प्रतिनिधियों से अधिकारियों ने बातचीत के दौरान शीघ्र आगे कार्यवाही कर उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए निदान किए जाने का आश्वासन दिया है।

नरसिंहपुर। जिले मे आये दिन अवैध खनन की सूचनाये मिलती रहती है। वही प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों द्वारा जानकारी के बाद भी की कार्रवाई नही की जाती है जबकि जिला प्रशासन द्वारा जिले मे अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये है उसके बाद भी राजस्व विभाग के गैर जिम्मेदार अधिकारियों की नींद नही खुल पा रही है और जिले मे अवैध खनन पर प्रतिबंध नही लग पा रहा है। कंपनी द्वारा नियमों धता दिखाया जा रहा है।

अवैध रूप से किया जा रहा मिट्टी का खनन

नियमों धता दिखा रही धारीवाल बिल्डटेक कंपनी

शिकायत के बाद भी नहीं होती कार्रवाई

राजस्व अनुविभाग के अंतर्गत कई स्थानों पर पीली मिट्टी का खनन किया जा रहा है और तो और इस पीली मिट्टी के खनन को लेकर कई बार जागरूक नागरिकों द्वारा शिकायत की जाती है तब संबंधित प्रशासनिक अमला इस मामले में एक दूसरे विभाग के ऊपर जिम्मेदारी डालकर कार्रवाई करने से बचता है। बीते कुछ दिवस पूर्व करेली जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खैरी महलपुरा के सरपंच सहित ग्रामीणों ने लिखित शिकायत जारी कर उनके गांव के मध्य से गुजरने वाली नवनिर्मित सड़क पर पीली मिट्टी भरकर ओवरलोड तरीके से जाने वाले हाइवा से होने वाले नुकसान और सड़कों की क्षतिग्रस्त होने की शिकायत की थी जिस पर कई दिन बीत जाने के बाद भी संबंधित अधिकारियों ने कोई संज्ञान नहीं लिया।

बीयूपी निर्माण हेतु किया जा रहा खनन

इसके बाद ग्राम पंचायत बहोरीपार के बहादुरपुर के समीप से नियमों को दरकिनार कर पीली मिट्टी का खनन मेसर्स धारीवाल बिल्डटेक लिमिटेड कंपनी सागर द्वारा नेशनल हाईवे पर बीयूपी निर्माण कार्य हेतु किया जा रहा है। लेकिन नियमों को ताक पर रखकर पीली मिट्टी को मशीनों की मदद से दिन-रात खनन किया जा रहा है खनन वाली जगह 15 से 20 फुट की खाईयां साफ देखी जा सकती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस तरह से इस पीली मिट्टी का खनन किया जा रहा है उसमें नियम कायदों को दरकिनार किया जा रहा है कहीं श्मशान घाट की भूमि तो कहीं अन्य शासकीय भूमि जो किसी दूसरे उपयोग के लिए आरक्षित रहती है उस पर बगैर किसी अनुमति के खनन किया जा रहा है इसमें खनिज विभाग की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। कहीं न कहीं खनिज विभाग भी धृतराष्ट्र की भूमिका निभा रहा है। राजस्व विभाग के पटवारी व तहसीलदार सहित खनिज अधिकारी को इस पीली मिट्टी के खनन को लेकर कार्रवाई करना चाहिये।

आखिर कहां से आ रही मिट्टी

संबंधित अधिकारियों से जब इस संबंध में बात की जाती है तो वह कोई भी जानकारी देने से सब बचते नजर आते हैं गौरतलब है कि नरसिंहपुर तहसील और राजस्व अन्य विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत जितने भी निर्माण कार्य चल रहे हैं उनमें इस कदर पीली मिट्टी का उपयोग किया जा रहा है किंतु किसी भी विभाग के पास यह फुर्सत नहीं है कि वह यह पता कर सके कि यह पीली मिट्टी आखिर आ कहां से रही है चिंता की बात यह है कि जिस तरह से मिट्टी का खनन किया जा रहा है उस स्थान पर गहरी गहरी कई फुट के गड्ढे हो रहे हैं जिसमें आनेवाले बारिश के समय में गौवंश सहित अन्य किसी बड़े जान माल के नुकसान की भी आशंका बन रही है।

संबल योजना के अंतर्गत करायें पंजीयन

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत पूर्व में असंगठित श्रमिकों की 38 श्रेणियों को सम्मिलित किया गया था। श्रम विभाग के अनुसार 39 श्रेणी पर गिग वर्कर्स को असंगठित श्रमिकों की श्रेणियों में सम्मिलित किया गया है। गिग वर्कर्स श्रमिक की श्रेणियों में फूल सप्लाई वितरण सेवा जैसे जोमेटो, स्वीमी, ईट श्योर, फूड पांडा आदि, डिलीपरी बॉय ऐसोशिएट्स डिलीवरी ड्राइवर जैसे अमेजोन, फ्लिपकार्ट, बिग बॉस्केट, ग्रोफर, जेप्टो, ब्लिंकिट, बेस्ट प्राईस, मेट्रो, डी- मार्ट आदि को सम्मिलित किया गया है। इसी तरह टेली कॉलर कॉल सेंटर एसोशिएट, संदेश वाहक वितरण कोरियर सर्विस सेवा, इलेक्ट्रॉनिक्स होम सप्लाइंस सर्विसकर्ता जैसे अर्बन कम्पनी, हाऊस जॉय, रीच यू आदि, केब टेक्सी ड्राईवर जैसे ओला, उबर, जुगनू आदि को शामिल किया गया है। इसके अलावा मोटर साईकिल, स्कूटर, ऑटो रिक्शा ड्राइवर्स जैसे रेपिडो, जुगनू आदि, माल वाहक वाहन चालक डोर टू डोर सप्लाई, कस्टमर्स कंपलेंट सर्विस ऑपरेटर, हाऊस कीपिंग सर्विस जैसे अर्बन क्लैप, हाऊस जॉय रीच यू आदि, ट्रांसक्रिप्शन राईटर्स एसोशिएट, फ्रीलांस सॉफ्टवेयर डेवलपर्स ऑपरेटर जो अनेक नियोजकों के लिए कार्य करते हो, फ्रीलांस एप ऑनलाइन एडुकेटर्स ट्यूटर्स अनेक नियोजकों हेतु, फ्रीलांस ग्राफिक डिजाइन के अनेक नियोजकों हेतु और फ्रीलांस ट्रेवल अटेंडेंट् गाईड्स एवं संबंधित श्रमिक को शामिल किया गया है। उक्त श्रेणी के अंतर्गत कार्यरत श्रमिक भी मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत अपना पंजीयन करवा सकते हैं। यह जानकारी श्रमपदाधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

जन्म मृत्यु पंजीयन को लेकर प्रशिक्षण सम्पन्न

नरसिंहपुर। भारत के महारजिस्ट्रार नई दिल्ली द्वारा जन्म- मृत्यु पंजीयन कार्य से संबंधित नवीन पुनर्निर्मित पोर्टल प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण निदेशक जनगणना भोपाल के आर पटेल, संयुक्त निदेशक एवं मिलन गुप्ता द्वारा दिया गया।प्रशिक्षण में जिला योजना अधिकारी जिला रजिस्ट्रार (जन्म- मृत्यु) द्वारा नवीन पुनर्निर्मित पोर्टल में आ रही कठिनाईयों के संबंध में समुचित मार्गदर्शन दिया गया। आयोजित प्रशिक्षण में जन्म- मृत्यु पंजीयन कार्य से संबंधित जिले के समस्त नगर परिषद, नगर पालिका परिषद, जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा समस्त जनपद पंचायत के अधिकारी्स कर्मचारी मौजूद थे। प्रशिक्षण में जन्म- मृत्यु पंजीयन कार्य में आ रही तकनीकी समस्याओं के निराकरण में रजिस्ट्रार्स उपरजिस्ट्रार को कार्य संपादन में सुगमता होगी।

शिक्षक संघ ने किया पौधारोपण

नरसिंहपुर। पर्यावरण और वातावरण सुधार के लिए पौधारोपण आज की महती आवश्यकता बन गया है। इसी विचार को पल्लवित करने के लिए एक पौधा बने वृक्ष अभियान को मूर्त रूप देकर प्रोत्साहित करने के लिए शासकीय सीएम राइज विद्यालय चावरपाठा में पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश शिक्षक संघ नरसिंहपुर के पदाधिकारियो ने मिलकर अपने गुरुछाया कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक पहल की। मप्र शिक्षक संघ के जिला सचिव सत्य प्रकाश त्यागी ख्यातिलब्ध शिक्षक के द्वारा आम जामुन और अन्य पौधों को रोपित कर विद्यालय के गुरु परिवार के संरक्षण में पौधों को समर्पित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य केपी साईलबार, प्रधानपाठक पीए खान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी भगवान उपाध्याय, तरवर साहू,राजेश ठाकुर उच्च माध्यमिक शिक्षक वीरेंद्र सेन सहित अन्य शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे। उपस्थित जनों ने पौधों की साज संभाल खाद्य पानी पोषण की व्यवस्था करने के साथ हुई चर्चा में कहा कि पौधों को रोपित करना जितना आवश्यक है उससे कहीं ज्यादा आवश्यक है कि वृक्षों को कदापि काटा ना जावे और काटने से हरसंभव प्रयास कर बचाया जावे। साथ ही बरसात में सड़क मार्गों और अन्य स्थानों पर उग आए पौधों को संरक्षित करने के प्रयास शुरू होने चाहिए।

सेवानिवृति पर दी विदाई

नरसिंहपुर। संकुल जन शिक्षा केंद्र एम एल बी अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय सिमरिया में पदस्थ प्रधानपाठक श्रीमती पुष्पा शर्मा की शासकीय सेवाअवधि पूर्ण होने पर शाला स्तर पर आयोजित सम्मान समारोह प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा जी के आतिथ्य में मां सरस्वती जी की वंदना के साथ प्रारंभ किया गया। संस्था प्रमुख श्रीमती अरुणा सोनी द्वारा उपस्थित जन का स्वागत कर सेवानव्रत शिक्षिका श्रीमती शर्मा के साथ विद्यालय में कार्य करने के प्रेरणास्पद अनुभव साझा कर सदैव छात्र हित मे कार्य करने की प्रेरणा की प्रतिमूर्ति बताया। प्राचार्य श्रीमती नेमा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र मे कार्य की सराहना कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जनशिक्षक द्वय एच पी कोरी, राजकुमार कुशवाहा द्वारा अकादमिक क्षेत्र में विद्यालय स्तर पर श्रीमती शर्मा द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई। विदा अभिनंदन सम्मान कार्यक्रम में विद्यालय से श्रीमती अरुणा सोनी साहित उपस्थित जन द्वारा पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। श्रीमती शर्मा ने अपने विद्यालय के शिक्षण कार्य एवं शाला परिवार छात्र छात्राओं के साथ बिताए सुखद अनुभव को नम आंखों से व्यक्त कर सभी के द्वारा दिए गए सम्मान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।उक्त अवसर पर परिजन,ग्रामीणजन, शिक्षक, छात्र छात्राओं,अभिभावकों, की उपस्थिति रही।

श्रम अधिनियमों का परिपालन करायें ठेकेदार

नरसिंहपुर। श्रम विभाग द्वारा संबंधित विभागों के अधीनस्थ कार्यरत ठेकेदारों को श्रम अधिनियमों के परिपालन के संबंध में निर्देश दिये गये हैं। जारी आदेश के अनुसार श्रम अधिनियमों के तहत 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों का किसी भी प्रकार का नियोजन नही किया जाना है। बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनिमयन) अधिनियम 1986 की धारा 3, 12 के अंतर्गत बाल श्रम निषेध बोर्ड प्रदर्शित करना अनिवार्य, तथा उनके दंडो से अवगत कराना अनिवार्य है। संविदा श्रम (विनिमयन एवं समाप्ति) अधिनियम 1970 के अंतर्गत जहां पर 50 श्रमिक नियोजित हैं, वहां केन्टीन एवं शौचालय की व्यवस्था की जाये। संविदा श्रम (विनिमयन एवं समाप्ति) अधिनियम 1970 की धारा 17 नियम 41 अंतर्गत श्रमिकों के लिये विश्राम कक्ष की व्यवस्था तथा नवजात शिशुओं के लिये पालनाघर की व्यवस्था करना अनिवार्य और समस्त श्रमिकों को न्यूनतम वेतन भुगतान अधिनियम 1948 के अंतर्गत भुगतान किया जावे एवं महिला श्रमिक कार्यरत होने पर समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 के अंतर्गत समान कार्य हेतु भुगतान किया जाये। श्रम विभाग ने संबंधित विभागों के अधीनस्थ कार्यरत ठेकेदारों से उक्त श्रम अधिनियमों का परिपालन कराया जाना सुनिश्चित करने के लिए कहा है। यह जानकारी श्रमपदाधिकारी नरसिंहपुर ज्योति पाण्डे दुबे ने दी है।

समीक्षा बैठक में विधायक ने दिये निर्देश

तेंदूखेड़ा- विगत दिवस जनपद पंचायत चांवरपाठा मुख्यालय मे तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी करते हुये निर्देशित किया है कि विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों मे लंबित पड़े निर्माण कार्यो को गुणवत्ता के अनुरूप तत्काल प्रभाव से पूर्ण कराये जायें। साथ ही प्रत्येक ग्राम मे साफ सफाई वृक्षारोपण जल स्त्रोतों के आसपास जलभराव की स्थिति न बने संक्रामक बीमारियों की रोकथाम की दिशा मे समय समय पर जन जागरण के साथ शुद्ध पेयजल को सुचारू किया जाये। नियमित शैक्षणिक संस्थाओं के संचालन के साथ अध्यापन व्यवस्था को सुचारू किया जाये। तथा राशन वितरण प्रणाली व्यवस्था मे भी किसी भी प्रकार की हीला हवाली न की जाये। शिकायत मिलने की स्थिति मे तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जाये। वहीं शासन द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वन की दिशा मे किसी भी प्रकार की कोताही बर्दास्त नहीं की जायेगी। इस मौके पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एस डी ओ एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कृषि प्रधान क्षेत्र में कृषि अधिकारियों का टोटा

तेंदूखेड़ा- एक तरफ जहां खेती को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में तरह-तरह के यतन किए जा रहे हैं। वहीं आधुनिक खेती के जरिए उन्नतशील कृषक बनने की दिशा में पर्याप्त मात्रा में अधिकारी ना होने की स्थिति में क्षेत्र के कृषकों को समय पर उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है। विकास खंड की यह स्थिति 18 अधिकारियों की जगह यहां पर मात्र आठ ही अधिकारी पदस्थ हैं।बाकी शेष स्थान प्रभार में चल रहे हैं। तेंदूखेड़ा भामा चांवरपाठा देवरी मढेश्वर लिलवानी सगोरिया सीहोरा में कृषि अधिकारी तो पदस्थ हैं। लेकिन काचरकोना मंहगुवा विलगुवां खुलरी ढिलवार कोड़ियां भोरझिर लिंगा और बोहानी प्रभार में चल रहे हैं। इतना ही नहीं विकासखण्ड कार्यालय चांवरपाठा में एक लिपिक और एक अधिकारी होने के साथ यहां पर भृत्य काफी लंबे समय से नहीं है। कृषकों का मानना है कि यदि प्रत्येक सेक्टर में अधिकारी रहते हैं तो कृषकों को समय समय पर उचित मार्गदर्शन के साथ शासन की योजनाओं का लाभ भी मिलता है।

मृदा परीक्षण केंद्र प्रारंभ हो

केंद्रीय मंत्रिमंडल में शिवराज सिंह चैहान को कृषि मंत्री के साथ ग्रामीण विकास का दायित्व सौंपा है। जिससे क्षेत्र के कृषकों को एक नई उम्मीद का संचार हुआ है। वहीं मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने हाल ही में प्रदेश के मृदा परीक्षण केंद्र प्रारंभ कराये जाने की घोषणा से तेंदूखेड़ा मृदा परीक्षण केंद्र को भी शुरू होने की उम्मीद जागी है। निश्चित तौर पर इस केंद्र के खुलने से कृषक निर्धारित शुल्क जमा करके मृदा की जांच करा सकते हैं। क्षीण हो रही उर्वरा क्षमता को दूर करने के साथ आवश्यक उपाय कर सकेंगे। इससे केवल तेंदूखेड़ा क्षेत्र ही नहीं बल्कि तीन जिलों के अंतर्गत आने वाले सीमावर्ती गांवों के कृषकों को सीधा लाभ मिलने लगेगा।

मंडी परिसर में शासकीय ग्रेडिंग मशीन की जरूरत

शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर अधिकांश उपजों को खरीदने का निर्णय लिया है। लेकिन खरीद केंद्र पर जाने वाली उपज की सही ग्रेडिंग ना होने की स्थिति में उसे खाली हाथ वापस लौटना पड़ता है।या फिर ग्रेडिंग सिस्टम के लिए यहां वहां व्यवस्था करनी पड़ती है या स्वयं स्टिम खरीदना मजबूरी हो जाया करती है। चूंकि बड़े बड़े कास्तकार यह व्यवस्था निजी स्तर पर कर लेते हैं छोटे छोटे कृषकों को इसकी आवश्यकता महसूस की जाती है। यदि शासकीय स्तर पर कृषि उपज मंडी परिसर में यह व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर हो जाती है तो कृषक मंडी में आने के साथ एक निर्धारित शुल्क के साथ ग्रेडिंग करा सकता है। वहीं गुण्वत्तापूर्ण उपज से अच्छे दाम भी मंडियों मे ले सकते है।